'प्रो-ओर्गेनिक'

'राजस्थान में जैविक उपभोग को बढ़ावा देने के लिए परियोजना'

हर्बल स्प्रे

क्र.सं.	सामग्री	मात्रा
1.	प्लास्टिक ड्रम	100 लीटर क्षमता का
2.	गौ मूत्र	60 लीटर
3.	प्याज	1 किलो
4.	अदरक	1 किलो
5.	लहसुन	1 किलो
6.	हरी मिर्च	0.5 किलो
7.	नीम की पत्तियां	2.5 किलो
8.	आक की पत्तियां	2.5 किलो
9.	धतूरे की पत्तियां	0.5 किलो
10.	कनेर की पत्तियां	0.5 किलो
11.	पपीते की पत्तियां	0.5 किलो

हर्बल स्प्रे बनाने की विधि

- एक ड्रम में गौ मूत्र इकट्ठा कर लें।
- उपलब्ध सामग्री को पीस कर पेस्ट बना लें।
- सभी को एक ड्रम में मिला दें।
- 5 से 6 दिन के अंतराल पर ड्रम में रखी सामग्री को डण्डे से हिलाते रहें।
- 40 से 45 दिन में हर्बल स्प्रे तैयार हो जाता है।

उपयोग करने की विधि

- हर्बल स्प्रे एक बहुत अच्छा कीट/व्याधि प्रबन्धक है।
- कीट एवं बीमारी के प्रकोप के पूर्व अनुमान से पहले प्रथम स्प्रे करें।
- कीट एवं बीमारी से बचाव के लिए 20 दिन के अंतराल पर हर्बल स्प्रे का स्प्रे करते रहे।
- 20 लीटर हर्बल स्प्रे को 100 लीटर पानी में मिलाकर एक एकड़ में स्प्रे करने से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

हर्बल खाद

एक ऐसी खाद जिसमें कीट व व्याधि नियंत्रण व मिट्टी के उपजाऊपन को बनाये रखने की भरपूर क्षमता है, हर्बल खाद कहते हैं।

हर्बल खाद के लिए आवश्यक सामग्री

- गोबर, नीम, आक, कनेर व धतूरा की पत्तियां तथा गड़तुम्बे की बेल व फल।
- टंकी या गड्ढे का आकार 6 गुना 3 गुना 3 फीट रखें अथवा टंकी या गड्ढे की लम्बाई आप आवश्यकतानुसार रख सकते हैं।

सामग्री का अनुपात अनुसार प्रयोग

- एक तिहाई गोबर, 18 दिन पुराना हो तथा नीम, आक, कनेर व धतूरा की पत्तियां तथा गड़तुम्बे की बेल व फल।

खाद तैयार करने की विधि

- उपरोक्त गोबर तथा नीम, आक, कनेर व धतूरा की पत्तियां तथा गड़तुम्बे की बेल व फल को टंकी या गड्ढे में डालकर मिक्स कर दें व ऊपर से पानी भर दें।
- 15 दिन पश्चात पूरे मिश्रण को मिक्स करें तथा दुबारा यदि पानी की कमी हो तो पानी डालें।
- इसके 15 दिन पश्चात पूरे मिश्रण को मिक्स करें तथा दुबारा आवश्यकतानुसार पानी डालें।
- 80-90 दिन बाद टंकी का पानी हल्का सूख जाता है तब खाद को बाहर निकालकर 15 दिन सूखने दें, इसके बाद खेत में डालें।

उपयोग की मात्रा

- पाँच क्विंटल हर्बल खाद में पाँच क्विंटल गोबर की खाद को मिक्स करके प्रति एकड़ प्रयोग करें।

लाभ

- इसका प्रयोग जमीन में लगने वाले कीड़े, दीपक व सफेद लट के नियंत्रण के लिए करें।
- किसी भी किसान को फलों का बगीचा लगाना हो तो इसके प्रयोग से बिना किसी दवाइयों के सफलतापूर्वक लगाया जा सकता है।

CUTS International®
कट्स सेन्टर फॉर कन्ज्यूमर एक्शन, रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग
D-217, भास्कर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर 302016
फोन: +91.141.2282821; फैक्स: +91.141.4015395, 2282485
ई-मेल: proorganic@cuts.org; वेबसाईट: www.cuts-international.org/CART/proorganic-II

सहयोग से
Swedish Society for Nature Conservation

This document has been produced with the financial contribution by Swedish public development co-operation aid through the Swedish Society for Nature Conservation, SSNC. The views herein shall not necessarily be taken to reflect the official opinion of SSNC or its donors.

जून 2019

स्रोत: एम.आर. मोरारका-जीडीसी रूरल रिसर्च फाउण्डेशन, जयपुर